हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 20 अप्रैल 2026

11 परशुराम जन्मोत्सव पर समाज सेवा का दिया संदेश...

12 बंपर पैदावार : पिछले साल से दोगुना आई मंडियों में गेहूं...

खबर संक्षेप

अवैध शराब सहित दो आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए सिरसा व बड़ागुढ़ा थाना की पुलिस टीमों ने अलग-अलग जगहों से दो व्यक्तियों को 28 बोतल अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी ने बताया कि सीआईए की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव सुखचैन की तरफ जा रही थी। इस दौरान सामने से एक व्यक्ति अपने हाथ में प्लास्टिक का थैला लिए आता हुआ दिखाई दिया, जो पुलिस की गाड़ी को देखकर वह वहां से भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर आरोपी को काबू कर लिया।

गुरमुखी एवं गुरु इतिहास पर हुआ कार्यक्रम

रतिया। श्री गुरु अंगद देव महाराज जी के प्रकाशोत्सव मौके गुरूद्वारा साहिब पुराना बाजार रतिया में धार्मिक समारोह के उपलक्ष्य में गुरू गोबिंद सिंह स्टडी सर्कल द्वारा गुरमुखी लिपि एवं गुरू इतिहास से संबंधित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जानकारी देते हुए सेवा स्टडी सर्कल के सेवादार हैप्पी सिंह सेठी ने बताया कि प्रकाशोत्सव पर गुरूद्वारा साहिब के सहयोग से करवाए गए इस कार्यक्रम में बच्चों ने भाग लिया। और उन्होंने गुरु इतिहास संबंधी संगत को इतिहास से जोडक़र निहाल किया। इस मौके भाग लेने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया।

परीक्षा में अव्वल रहे बच्चे सम्मानित

सिरसा। चत्तरगढ़ पट्टी स्थित धर्मशाला में धानक समाज ट्रस्ट द्वारा विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें हारे का सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान मनीष सिंगला ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में उन्होंने परीक्षा में अव्वल रहे बच्चों को सम्मानित भी किया। इस दौरान मनीष सिंगला ने विद्यार्थियों को प्रेरणा दी कि अगर आपको जीवन में कामयाबी की बुलंदियों को छूना है तो उसका एक ही मूलमंत्र है मां की पूजा। इस दुनिया में सबसे शक्तिशाली शब्द भी मां है, इसलिए रोज़ाना उठकर उसकी पूजा करो और आप देखेंगे कि उनके जीवन में बड़े बदलाव आएंगे।

गुरु अंगद देव महाराज के प्रकाशोत्सव पर समारोह

रतिया। श्री गुरु अंगद देव महाराज जी के प्रकाशोत्सव पर गुरुद्वारा साहिब पुराना बाजार रतिया में धार्मिक समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर श्री सुखमणी साहिब जी के पाठ के साथ धार्मिक समारोह की शुरुआत हुई। इसके पश्चात कथावाचक भाई जसवंत सिंह ने कथा विचारों से संगत को जोडक़र निहाल किया। प्रबंधक राजिंद्र सिंह ने बताया कि गुरूद्वारा साहिब में दूसरी पातशाही श्री गुरु अंगद देव महाराज जी के प्रकाशोत्सव मौके जहां सुबह नितनेम के समय गुरु साहिब के जीवन इतिहास संबंधी कथा विचार हुई।

जिले में 50 एक्टिव क्रिकेट बुकी, सट्टे में सैंकड़ों परिवार हो चुके बर्बाद

आईपीएलः होटलों के साथ पॉश कालोनियों के घरों से चल रहा क्रिकेट सट्टा, टोहाना में पकड़े दो बुकीज

डीएसपी रोड व जीटी रोड सहित कई इलाके सट्टेबाजों के अड्डे

सुरेन्द्र असीजा ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। क्रिकेट सट्टेबाजी के आरोप में गिरफ्तार युवक। *फोटो : हरिभूमि*

आईपीएल शुरू होने के साथ ही क्रिकेट बुकीज के अड्डे एक बार फिर चर्चा में है। आईपीएल के मैचों पर जमकर सट्टा लगाया जा रहा है। जैसे ही आईपीएल शुरू हुआ सट्टा बाजार की पिच पर हार-जीत की बाजीगरी शुरू हो गई। फतेहाबाद में क्रिकेट बुकीज अपने साजों-सामान लेकर बाजार में कूद चुके हैं। क्रिकेट सट्टेबाजों पर नकेल कसने को लेकर फतेहाबाद पुलिस भी अलर्ट है। सीआईए टोहाना की टीम ने टोहाना के पिक स्टोन होटल में छापेमारी कर दो युवकों को क्रिकेट सट्टेबाजी करते रंगे हाथ काबू किया। पकड़े गए युवक गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स मैच पर सट्टा लगवा रहे थे। बता दें कि फतेहाबाद में इस समय 50 से ज्यादा क्रिकेट बुकीज है। आईपीएल में फतेहाबाद के अनेक युवा बर्बाद हो रहे हैं वहीं कई बुकीज जमकर चांदी कूट रहे है। यहां के सैंकड़ों परिवार क्रिकेट सट्टा से बर्बाद हो चुके हैं। इस समय फतेहाबाद में डीएसपी रोड, एमसी कालोनी, सोमा सिटी, संन्यास आश्रम रोड, जीटी रोड पर स्थित कुछ होटल व चौबारे क्रिकेट बुकीज के अड्डे बने हुए हैं।

हर बाल, हर रन पर रेट तय

अलग खबर

फतेहाबाद शहर में बैठे क्रिकेट बुकी सट्टा लगाने वाले की जानकारी मुंबई, दिल्ली, कोलकाता जैसे बड़े-बड़े शहरों में बैठे अपने सरगना को दे रहे हैं। इनकी इच्छा के अनुसार, मैच की हर बाल, ओवर और रन का रेट निर्धारित कर कारोबार किया रहा है। बड़े-बड़े शहरों में बैठे कई बुकी छोटे-छोटे कस्बों में अपनी लाइनें देते हैं और ये लाइनें अपनी विशेष आईडी पासवर्ड से खुलती हैं। इसी के साथ-साथ नए तरीकों में ये बुकी एप और विशेष वेबसाइटों द्वारा भी इस कारोबार को संचालित करते है।

सट्टेबाजी के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश, रंगे हाथों किए काबू

सीआईए टोहाना की टीम ने टोहाना शहर के एक होटल में रेड कर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से दो सट्टेबाजों को करोड़ों के हिसाब-किताब के साथ रंगे हाथों काबू किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अश्वनी सैनी उर्फ रौनी पुत्र कृष्ण लाल निवासी बाजीगर मोहल्ला, टोहाना तथा अनिल पुत्र ओमप्रकाश, निवासी वार्ड नंबर 6, लकड़ मार्केट, टोहाना के रूप में हुई है। सीआईए टोहाना के प्रभारी उप निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि मिलन चौक के पास स्थित पिंक स्टोन होटल के कमरे से क्रिकेट सट्टेबाजी का बड़ा नेटवर्क संचालित किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी की और नियमानुसार अनुमति लेकर होटल के कमरा नंबर 102 में दबिश दी। कमरे के अंदर का नजारा देख पुलिस भी हैरान रह गई, जहां दो युवक कई महंगे मोबाइल फोन और लैपटॉप के जरिए मैच की हर गेंद पर दांव लगवा रहे थे। कार्रवाई के दौरान पता चला कि आरोपी स्पीडी स्ट्रीमिंग नामक ऐप के जरिए गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच चल रहे मैच पर सट्टा खिलवा रहे थे। वे लोगों को कम समय में अधिक पैसा कमाने का लालच देकर ऑनलाइन बुकिंग कर रहे थे। पुलिस ने मौके से सट्टेबाजी में इस्तेमाल होने वाले 5 स्मार्ट फोन बरामद किए हैं, जिनमें आईफोन 14 प्रो और रियल मी जैसे महंगे डिवाइस शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण बरामदगी दो रजिस्टर हैं, जिनमें सट्टे के लेन-देन का करोड़ों का हिसाब-किताब दर्ज है। इसके अलावा एक कैलकुलेटर और पेन भी जब्त किया गया है, जिसका इस्तेमाल जीत-हार की गणना के लिए किया जा रहा था। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ थाना शहर टोहाना में मुकदमा दर्ज किया गया है।

फार्म हाऊसों व कारों में बना रखे हैं ठिकाने

सट्टा खिलाने वाले शहर के बड़े बुकियों के एजेंट्स ने शहर के डीएसपी रोड, भट्टा कालोनी, सोमा सिटी, मॉडल टाऊन, तहसील चौक, धर्मशाला रोड के अलावा शहर के साथ लगते फार्म हाऊसों व होटलों में अपना ठिकाना जमा लिया है। दरअसल, पुलिस की नजर से बचने के लिए बुकी यहां कारों में बैठकर, लोंग ड्राइव पर चलते हुए भी यह काम बड़ी आसानी से कर रहे हैं। इसके अलावा शहर के होटलों में भी इसको लेकर क्रिकेट बुकियों ने सभी तैयारियां पूरी कर रखी हैं। बड़े बुकी शहर से बाहर रहते हुए अपने एजेंट्स (पंटर) के जरिए सैंकड़ों को लाइन देकर लाखों का सट्टा खिला रहे हैं। ये एजेंट फतेहाबाद के पुराने शहर को छोडक़र आस-पास के आउटर इलाके में सट्टे चला रहे है। खासकर शिव चौक व एमसी कालोनी का इलाका इन बुकियों का केन्द्र माना जाता है।

नेटवर्क की तलाश में पुलिस

पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस सट्टा बुक के तार और किन-किन शहरों से जुड़े हैं। पूछताछ के दौरान इस बात का पता लगाया जाएगा कि इनके मास्टरमाइंड कौन हैं और क्या होटल प्रबंधन की भी इस खेल में कोई भूमिका थी। पुलिस का कहना है कि आईपीएल के दौरान सट्टेबाजी करने वालों पर पैनी नजर रखी जा रही है और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

हाईटेक मशीन का होता है इस्तेमाल

सटोरियों ने हाईटेक जमाने में खुद को भी हाईटेक कर लिया है। अब फोन पर कॉल या मैसेज के बजाय ज्यादातर बुकिंग वाट्सएप या अन्य इंटरनेट मीडिया साइट्स से ले रहे हैं। सट्टा खिलाने के लिए हाईटेक मशीनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे सीधे-सीधे बुकिंग हो जाती है।

खाईवालों की कुंडली तैयार

फतेहाबाद पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने सटोरियों की कुंडली तैयार कर रखी है और लगातार रेड की जा रही है। पिछले साल पकड़े गए खाईवालों की पड़ताल शुरू कर दी गई है।

लाखों रुपये के नशे के साथ चार काबू

- पुलिस की नशा तस्करों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए जिला क्षेत्र से चार तस्करों को गिरफ्तार कर लाखों रुपये का चूरापोस्त व हेरोइन बरामद की है। एएनसी स्टाफ प्रभारी रणजोध ने रविवार को बताया कि पकड़े गए तस्करों की पहचान परविंद्र सिंह, गौतम, शंटी सिंह व हरबंस सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि परविंद्र सिंह चूरापोस्त तस्करी का धंधा करता है और चूरापोस्त बेचने की फिराक में है।

सिरसा। पकड़ा गया चूरापोस्त तस्कर। *फोटो : हरिभूमि*

सात ग्राम हेरोइन सहित आरोपी पकड़ा

इसके अलावा पुलिस ने हेरोइन तस्करी के आरोप में शंटी सिंह व हबंस को गिरफ्तार किया है। कालांवाली थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस टीम कालांवाली क्षेत्र में गश्त पर थी। असीर रोड पर एक युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुड़ गया। पुलिस ने उसका पीछा कर उसे दबोच लिया और तलाशी ली तो उसके कब्जे से सात ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे हरबंस सिंह ने हेरोइन बेचने के लिए दी थी।

8 पीड़ितों को मिली काउंसलिंग और दवाएं

- नशा मुक्त समाज के निर्माण के संकल्प के साथ टीम ने अभियान किया तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

नशा मुक्त समाज के निर्माण के संकल्प के साथ फतेहाबाद की नशा मुक्ति टीम ने रतिया क्षेत्र में अपने अभियान को और तेज कर दिया है। रविवार को टीम ने शैक्षणिक संस्थानों से लेकर शहर के विभिन्न वार्डों तक जागरूकता गतिविधियों का संचालन किया, जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। अभियान की शुरुआत रतिया के पी.एल. जिंदल कॉन्वेंट स्कूल से हुई, जहाँ एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। टीम के सदस्यों ने विद्यार्थियों को नशे के गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्रों को न केवल खुद नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया, बल्कि उन्हें अपने आस-पास के वातावरण को भी नशा मुक्त बनाने के लिए जागरूक रहने की शपथ दिलाई गई। स्कूल के कार्यक्रम के बाद टीम ने रतिया के अलग-अलग वार्डों का दौरा किया। इस दौरान तीन नए पीड़ितों की पहचान की गई, जिनकी काउंसलिंग कर उन्हें मुख्यधारा में लौटने की सलाह दी गई।

रतिया। लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करते नशामुक्ति टीम इंचार्ज।

अभियान जारी

टीम ने रतिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी दौरा किया। यहां भर्ती पीड़ितों के साथ व्यक्तिगत काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए। टीम का मुख्य उद्देश्य इन पीड़ितों का मनोबल बढ़ाना है ताकि वे नशे की लत को छोड़कर एक सामान्य और स्वस्थ जीवन की शुरुआत कर सकें। नशामुक्ति टीम सदस्यों ने कहा कि हमारा अभियान निरंतर जारी है।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए आंदोलन तेज

- 2 अगस्त से जिला स्तर पर चलेगा अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारियों का आंदोलन अब और तेज होने जा रहा है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा की जिला फतेहाबाद व सभी खंडों की कार्यकारिणी की बैठक जिला अध्यक्ष नरेश जांगड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें संगठन विस्तार और आगामी आंदोलन की रणनीति पर मंथन किया गया। बैठक में राज्य ऑडिटर विजय भूना ने बताया कि 2 अगस्त से 3 जनवरी 2027 तक प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर पेंशन संकल्प सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों के जरिए कर्मचारियों को आंदोलन से जोडऩे और मांग को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि 7 फरवरी को कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय ओपीएस महासम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें प्रदेशभर से कर्मचारी जुटेंगे। राज्य कार्यकारिणी सदस्य सुनील कुमार ने आह्वान किया कि सभी विभागों के कर्मचारियों को आंदोलन से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर संपर्क अभियान चलाए।

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते पेंशन बहाली संघर्ष समिति के सदस्य।

ये रहे मौजूद

जिला महासचिव अजीत कुमार, जिला अध्यक्ष नरेश जांगड़ा, जिला संयोजक ओम प्रकाश लांगयान, उपाध्यक्ष अनिल इंदल, भूना खंड प्रधान दलीप भाकर, टोहाना खंड प्रधान बीरबल सिंह, रतिया खंड कोषाध्यक्ष हरविंदर सिंह, कमल आर्य, सुरेंद्र नैन सहित कई पदाधिकारियों ने भी कर्मचारियों से आंदोलन में बढ़-चढक़र भाग लेने का आह्वान किया। बैठक का संचालन जिला कार्यकारिणी सदस्य रमेश चालिया ने किया। कार्यक्रम में जिला कोषाध्यक्ष विकास पंवार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मबीर पिरथला, महेंद्र सहित अन्य मौजूद रहे।

बुजुर्ग की हत्या के मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

रंजिश के चलते दिया था वारदात को अंजाम

जिला के गांव कुरंगावाली में हुई बुजुर्ग व्यक्ति की हत्या के मामले में संलिप्त दो अन्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रोड़ी थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि मृतक लीला गिर के बेटे हरदीप सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह प्राइवेट बस चालक है। उसने बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति शंभू ने उससे एक हजार रुपये उधार मांगे थे, लेकिन पैसे न होने के कारण वह उसे राशि नहीं दे सका। इसी बात को लेकर शंभू उसके प्रति रंजिश रखने लगा।

पुलिस गिरफ्त में पकड़े गए आरोपी।

बिजली पोल गिरने से सौलर प्लेटें टूटी

ओढां। गांव सालमखेड़ा में बिजली का पोल करने से एक किसान के खेत में लगी सौलर की प्लेटें टूट गई। गांव सालम खेड़ा निवासी किसान राजप्रीत सिंह ने बताया कि उसके खेत में सौलर सिस्टम लगा हुआ है।

बीते दिवस तेज तूफान आने से बिजली का एक पोल टूटकर गिर गया और उसके सौलर की पांच प्लेटें टूट गई. जिसकी वजह से उसे करीब 60 हजार रुपए का नुकसान हो गया है। किसान ने सौलर कंपनी से मांग की है कि उसकी सोलर प्लेट बदल कर नई लगाई जाए ताकि नरमा की बिजाई के लिए उसे पानी मिल सकें।

1 से 31 मई तक चलेगी घर-घर सत्यापन प्रक्रिया, गोपनीय रहेगा आपका डेटा, स्व-गणना में भाग लेने की अपील

स्व-गणना प्रक्रिया में भागीदार बन रहे आमजन : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

डीसी डॉ. विवेक भारती।

जिला फतेहाबाद में स्व-गणना प्रक्रिया में आमजन सक्रिय रूप से भागीदार बन रहे हैं और यह प्रक्रिया 30 अप्रैल तक संचालित की जाएगी, जिसके माध्यम से नागरिक आधिकारिक पोर्टल पर अपनी जनगणना संबंधी जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे, जो डिजिटल शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह जानकारी डीसी डॉ. विवेक भारती ने दी। डीसी ने बताया कि स्व गणना के उपरांत आगामी 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य संपन्न किया जाएगा। डीसी ने जिला के सभी नागरिकों को स्व गणना प्रक्रिया में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया है। डीसी ने बताया कि स्व-गणना प्रपत्र में लगभग 33 प्रश्न शामिल होंगे, जिनमें परिवार के सदस्यों का विवरण, मकान का प्रकार ग्रामीण/शहरी, पेयजल, बिजली, स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं, शिक्षा एवं सामाजिक-आर्थिक जानकारी तथा मोबाइल नंबर अनिवार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया की एक विशेषता यह है कि इसमें किसी भी प्रकार के दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी और यह शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लिए समान रूप से लागू है। एकत्र किए गए आंकड़े जिला स्तर की योजनाओं एवं राज्य के विकास कार्यक्रमों के निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर लक्ष्य निर्धारण में मदद करेंगे।

स्व-गणनाः डिजिटल शासन की ओर एक कदम

डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि स्व गणना प्रक्रिया सुविधा हरियाणा के सभी जिलों में उपलब्ध रहेगी और नागरिक इसे मोबाइल, टैबलेट अथवा कंप्यूटर के माध्यम से कहीं से भी उपयोग कर सकेंगे। पंजीकरण के दौरान नागरिकों को मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से लॉगिन करना होगा, डिजिटल मानचित्र पर अपने घर का स्थान चिन्हित करना होगा तथा परिवार के सभी सदस्यों, आवास की स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित जानकारी दर्ज करनी होगी। जानकारी जमा करने के बाद उन्हें एक यूनिक एसई आईडी प्रदान की जाएगी, जिसका उपयोग बाद में गणनाकर्मियों द्वारा सत्यापन के समय किया जाएगा।

जानकारियां पूर्णतः गोपनीय व सुरक्षित रहेंगी

इस बार जनगणना में इंटरनेट एवं स्मार्टफोन के उपयोग, टीवी, रेडियो, कंप्यूटर/लैपटॉप और वाहन साइकिल, मोटरसाइकिल, कार जैसी आधुनिक सुविधाओं से संबंधित जानकारी भी शामिल की जाएगी, जिससे डिजिटल कनेक्टिविटी और जीवन स्तर का अधिक सटीक आकलन संभव हो सकेगा। उन्होंने आमजन को आश्वस्त किया गया है कि उनके द्वारा प्रदान की गई सभी जानकारी पूर्णतः गोपनीय और सुरक्षित रखी जाएगी तथा इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय एवं विकासात्मक उद्देश्यों के लिए ही किया जाएगा। डीसी ने जिला के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे आगामी 30 अप्रैल 2026 के बीच स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें और सही एवं पूर्ण जानकारी प्रदान करें, ताकि राज्य की बेहतर योजना निर्माण, सेवा वितरण में सुधार और समग्र विकास को गति दी जा सके।

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेलों से जोड़ना जरूरीः थाना प्रभारी

सिरसा। ऐलनाबाद थाना प्रभारी प्रगट सिंह ने रविवार को गांव मिर्जापुर स्थित खेल स्टेडियम में पहुंचकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा आज समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है, जिससे न केवल व्यक्ति का स्वास्थ्य प्रभावित होता है बल्कि उसका परिवार और समाज भी इसके दुष्परिणामों को भुगतता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहकर खेलों को अपनाएं और अपने गांव, माता-पिता तथा समाज का नाम रोशन करें।उन्होंने कहा कि नशे की लत व्यक्ति की सोच और व्यवहार को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है, जिससे वह अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में असमर्थ हो जाता है। थाना प्रभारी प्रगट सिंह ने कहा कि नशे के सेवन से अनेक गंभीर बीमारियां जन्म लेती हैं और व्यक्ति का भविष्य अंधकारमय हो सकता है।

साहित्य

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

कहानी

आशमा कौल

प्यारी की अरदास

आज प्यारी के पोते की शादी है । घर गहमा-गहमी से भरा हुआ है । दूर के रिश्तेदार आने शुरू हो गए हैं । घर में ढोलकी बज रही है, बन्ना –बन्नी के गीत गाए जा रहे हैं ।

प्यारी की उम्र अस्सी से पार हो चली है और उसे घर के सबसे पीछे वाले कमरे में बिठाया गया है। अब वह ज़माना नहीं रहा, जब बड़े-बुज़ुर्गों को घर के हर काम में आगे रखा जाता था और उनसे हर मसले पर राय ली जाती थी। प्यारी अपने पलंग पर बैठी है, लेकिन उसके कान तो बाहर की तरफ ही लगे हुए हैं। आंखें और घुटने कमज़ोर होते हुए भी आज उसका मन पोते के ब्याह की खुशी की उमंग में उछल रहा है। बीच-बीच में कोई अगर उसके कक्ष के पास से गुज़रता है तो प्यारी आवाज़ें लगाती हैं ताकि सब जान सकें कि वह भी इस घर की खुशी में शामिल है।

'अरे फूफी और फूफा जी आ गए , उनका सामान अंदर ले जाओ'

'बधाई है भाभी, बहूत-बहूत बधाई , मां ठीक है न....' धीमी धीमी आवाज़ें प्यारी के कमजोर कानों में तैर रही हैं, आवाज़ें साफ नही हैं, फिर भी वह समझ गई है कि उसकी दोनों बेटियां और दामाद अभी-अभी पहुंचे हैं। अब वह इंतज़ार में है कि सभी आकर उसको भी बधाई देंगे। वह बार-बार आने वाले रिश्तेदारों की आवाज़ सुनने की कोशिश कर रही है कि उसे भी तो पता चले कि कौन-कौन पहुंच गया है। वह मन ही मन अपनी श्रवण शक्ति को कोस रही है। उसका हालचाल तो सभी पूछ रहे हैं, लेकिन कोई उससे मिलने नहीं आया अभी तक। प्यारी बहूत बेचैन है। घर की कामवाली पारो प्यारी के लिए दिन के भोजन की थाली लेकर आई है।

'अम्मा जी हाथ धो लीजिए, खाना लाई हूँ'

'अरी पारो, तू भी आज बहूत देर से आई मेरे पास। अभी भूख नहीं है , इधर आ मेरे पास बैठ और मुझे बता कि कौन-कौन आ गया है और सबने खाना खा लिया है कि नहीं।'

'अम्मा जी आप खाना खा लो, आज घर में बहूत काम है, मुझे बात करने की फुर्सत कहां हैं, यहां देर कर दी तो मेम साहब बहूत डांट लगाएगी । आपका क्या, आराम से बैठी हो पलंग पर और काम कोई करना नहीं।'

" सच है पारो, अब मैं बेकार हो गई हूं लेकिन बच्चों को देखने का बहूत मन है, वह काम में लगे हैं तो मुझे धीरे-धीरे बैठक में ले जा, जहां ढोलकी बज रही है।'

'ना बाबा ना, मुझे मेमसाहब से डांट नहीं खानी है , आज वह वैसे भी गुस्से मे लग रही हैं । मै उन सबको कह दूंगी कि आप से यहीं आकर मिल लें' – जल्दी से अपना पल्लू झाड़ कर पारो थाली वापस लेकर कक्ष से बाहर निकल गई।

याद आ रहा है प्यारी को अपने बेटे की शादी वाला दिन, कैसे दौड़-दौड़ कर आवभगत कर रही थी, वह सब मेहमानों की । क्या खूब नाची थी वह बारात में कि देखने वाले भी उसका उत्साह देख कर दंग रह गए थे । सुंदर गुलाबी साड़ी और गहनों में वह सभी पर गज़ब ढा रही थी और कुछ को तो यह अंदेशा था कि वह शायद दूल्हे कि मां नहीं बड़ी बहन है। सुबह तारों की छांव में जब वह बहू को लेकर घर पहुंची थी तो उसकी खुशी का ठिकाना ही नहीं था। उसके बर्ताव से बहू, पति, घरवाले, मेहमान और समधी सभी बहूत प्रभावित और खुश थे।

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी, लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है।

एआई जेनरेटेड इमेज

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी। लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है, यह सोच कर उसका दिल भर आया और आंखें भीग गई । वह सोच रही थी कि वह भी एक ज़माना था, जब वह अपनी सास और मां की परामर्श हर बात में लेती थी और यह आज का मुआ समय जब घर के आखिरी कमरे में उसे अकेले छोड़ दिया गया है। अचानक दरवाज़ा खुलने की आवाज़ से वह सचेत हुई –

" कौन है, आ जाओ "।

मां, मैं हूं कुमुद, कैसी हो तुम।

अरे बिटिया, आ गले लग जा मेरे, बहूत देर से इंतज़ार कर रही थी कि कोई तो आकर मुझसे मेरा हाल पूछे।

"मां, हम सब भाभी का हाथ बंटा रहे थे, आपको पता तो है, वह छोटी-छोटी बातों से परेशान हो जाती है, लेकिन तुम यहां अकेली क्यों बैठी हो, चलो मैं तुम्हें बैठक में ले चलूं'।

'ना बेटा, मैं यहीं ठीक हूँ, तुम सबको परेशानी होगी'।

'नहीं मां, कैसी परेशानी, तुमसे तो घर की रौनक है। दीदी जीजाजी और बच्चे सब वहीं हैं, चलो मैं धीरे- धीरे तुम्हें वहां तक ले चलती हूं।'

बेटी का हाथ थाम कर प्यारी पलंग से उठी और नपे-तुले कदमों से बैठक तक आ गई और सबको दुआएं देने लगी। बैठते हुए प्यारी का हाथ मेज पर पड़े शीशे के गिलास से लग गया और गिलास गिर कर टूट गया। इससे पहले कि कुमुद टूटा गिलास उठाती, भाभी हो हल्ला करती बैठक में आ गई – "लो हो गया काम, अरे अम्मा जी को कौन यहां लेकर आया "।

'अम्मा जी, मैंने आपसे कहा था कि आज वहीं अपने कक्ष में बैठी रहना। काम में मदद नहीं करा सकती हैं, तो कम से कम काम को बढ़ाएं तो नहीं'– तल्ख स्वर में बहू लगभग चिल्लाई तो अम्मा जी घबराहट में कांपने लगी कि शायद उससे कुछ बहूत बड़ा नुकसान हो गया है, तभी पारो आई और शीशा समेट कर ले गई। बेटियां जो सब देख-सुन रही थी, उन्हे भाभी की बात अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे उसके स्वभाव से परिचित थी इसलिए कुछ कह नहीं सकी और अम्मा जी भी वहीं चुपचाप कुर्सी में धंस सी गई ताकि माहौल खराब न हो ।

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको सम्मान से साथ ले जाएंगे।

'आप सब लोग अब जाने की तैयारी करो और बच्चों को भी जल्दी तैयार करो, दो घंटे में घुड़चढ़ी का मुहर्त है, बारात समय से निकले तो अच्छा है' अचानक बेटे की आवाज सुन अम्मा जी निहाल हो गई और वह पोते के साथ गाड़ी में बैठ कर जाने के ख्वाब बुनने लगी।

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको नई साड़ी देंगे और सम्मान से साथ ले जाएंगे। वह अभी इन्हीं ख्यालों में थी कि बहू की आवाज उसके कानों में पड़ी –

"अरी पारो, यह लो तुम्हारा नया सूट, चलो जल्दी पहनो और तैयार हो जाओ "

'लेकिन मैडम जी , फिर घर में कौन रहेगा'।

'अम्मा जी है न घर में, तुम उनके खाने की थाली बनाकर उनके पलंग पर रख दो और उन्हें भी उनके कमरे में पहुंचा दो ताकि जब बहू आए तो आगे की बैठक ठीक-ठाक मिले। बाहर के दरवाजे पर ताला रख देंगे। अब जल्दी करो समय निकला जा रहा है'।

यह सब बातें बहू ने ज़ोर-ज़ोर से बोली ताकि सासु मां सुन ले और दोबारा उन्हें न कहनी पड़े। ऐसा ही हुआ, प्यारी ने सब सुना तो उसका दिल टूट गया, लेकिन उसने उसकी किरचें फैलने नहीं दी, अपने ही अंदर समेट ली ताकि वे उसके बच्चों को न चुभ जाए। अधिकतर माएं ऐसी ही होती हैं। उसकी आंख में दो आंसू आए, लेकिन बदशकुनी के डर से उसने उन्हें आंखों की कोरों में ही ज़ज्ब कर लिया। बड़ी बेटी जो सब देख चुकी थी, उससे रहा नहीं गया, बोली – मां मैं तुम्हारे लिए नई साड़ी लाई हूं, वह पहन कर तुम मेरे साथ चलोगी'।

'नहीं बेटा, देर हो रही है, तुम जल्दी तैयार होकर निकलो वरना तुम्हारी भाभी नाराज हो जाएगी' – प्यारी खुद पर संयम रख कर बोली।

उसने बेटी की बात नहीं मानी, उसे तो बेटे से उम्मीद थी कि वह आज जिद करके उसे अपने साथ शान से ले जाएगा। घुड़चढ़ी का समय हो गया था और प्यारी के कानों में बैंड -बाजे की हल्की-हल्की आवाज़ आ रही थी और वह अपने दोनों हाथ जोड़े ईश्वर से बच्चों की सलामती की दुआ मांग रही थी। धीरे-धीरे आवाज़ें आनी बंद हो गई और प्यारी रात भर, नई बहू के आने तक अपने इष्ट से अरदास करती रही ताकि उसके टूटे दुखी दिल से बेटे के लिए कोई बददुआ न निकल जाए।

पुस्तक समीक्षा

आत्मचिंतन की नई दिशा देती है 'आत्मप्रबंधन

समीक्षक

ममता कुशवाहा

'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' केवल एक साधारण निबंध-संग्रह नहीं, बल्कि लेखक नृपेन्द्र अभिषेक नृप के अंतर्मन में उठते विचारों, संवेदनाओं और जीवन-दृष्टि का सजीव दस्तावेज है। यह कृति पाठक को आत्मचिंतन, आत्मसंयम और आत्मबोध की उस यात्रा पर ले जाती है, जहां वह स्वयं से संवाद करना सीखता है। इस संग्रह में शामिल निबंध 'चुप्पी भी बोलती है', 'भीड़ में इंसान गुम क्यों हो रहा है?', 'गलतियों के साए में उगता सुधार का प्रकाश', 'जहाँ झूठ आसान है, वहाँ सच साहस मांगता है', 'यादें: जीवन का सहारा या बोझ?', 'अकेलापन: रिश्तों की भीड़ में एकांत का सच' आदि, जीवन के उन पहलुओं को उजागर करते हैं, जिनसे हम प्रतिदिन रूबरू होते हैं, परंतु अक्सर उन्हें समझने का प्रयास नहीं करते। 'चुप्पी भी बोलती है' निबंध में लेखक मौन की शक्ति को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार, मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं, बल्कि अंतर्मन की वह स्थिति है, जो नकारात्मकता को सकारात्मकता में रूपांतरित करने की क्षमता रखती है। 'बदलाव को स्वीकारना भी एक नैतिक साहस है' में लेखक जीवन के अनिवार्य परिवर्तनशील स्वरूप को रेखांकित करते हैं। वे बताते हैं कि परिवर्तन से भयभीत होने के बजाय उसे स्वीकार करना ही जीवन की प्रगति का मूल मंत्र है।

'कठिन समय में चरित्र की असली परीक्षा होती है' निबंध में धैर्य को जीवन की सबसे बड़ी शक्ति बताया गया है। लेखक के अनुसार, विपरीत परिस्थितियाँ ही व्यक्ति के चरित्र को गढ़ती हैं और धैर्य उसे टूटने से बचाता है। वे स्पष्ट करते हैं कि धन, पद और प्रतिष्ठा भले ही बाहरी सुख दें, परंतु सच्चा संतोष केवल संस्कार, ईमानदारी और सहनशीलता से ही प्राप्त होता है। समकालीन समाज में व्याप्त झूठ, पाखंड और दिखावे के बीच लेखक 'चमक के शोर में खोती सादगी की मौन शक्ति' के माध्यम से सादगी के महत्व को पुनर्स्थापित करते हैं। 'जीवन का सफर: योजना और अनिश्चितता के बीच' निबंध में लेखक जीवन की विविधता और व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझाने का प्रयास करते हैं। वे पाठकों को यह संदेश देते हैं कि तुलना के बजाय आत्मस्वीकृति और अपनी परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ना ही वास्तविक सफलता का मार्ग है। वास्तव में यह कृति पाठक को आत्मविश्लेषण के लिए प्रेरित करती है। यह सिखाती है कि आत्मसंयम, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को नई दिशा दे सकता है। 'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' जीवन की उस सच्चाई को सामने लाती है कि यह केवल संघर्षों का नहीं, बल्कि आशाओं, सपनों और संतुलन का सुंदर संगम है।

कवि कॉर्नर

कविता | कियांश जुनेजा

मेरा संकल्प

जुलाई की तीस तारीख थी,
वर्ष दो हजार सोलह का,
नन्हीं आंखों में सपना था,
उज्ज्वल भविष्य के लेखा का।
जहां लोग घबराते थे,
उन चमकते औजारों से,
मैंने दोस्ती कर ली थी,
उन सौ अनजाने संसारों से।

डर को मैंने हराया था,
जिज्ञासा को अपनाया था,
ज्ञान की उस रोशनी ने,
जीवन पथ को सजाया था।'
इंडिया बुक' में नाम लिखा,
'एशिया बुक' ने सम्मान दिया,
मेहनत के हर एक पल ने,
मुझे नई पहचान दिया।

पर केवल रिकॉर्ड बनाना,
मेरा मकसद नहीं बना,
हर भारतवासी स्वस्थ रहे
यही दिल का है सपना।
मुस्कान हर चेहरे पर हो,
यही मेरी चाहत है,
स्वस्थ जीवन की ज्योति ही,
मेरे मन की इबादत है।

स्कूल-स्कूल मैं जाता हूँ,
जागरूकता का दीप लिए,
एनजीओ संग कदम बढ़ाकर,
सेवा का संकल्प लिए।
हर बच्चे को समझाता हूँ,
सेहत का सच्चा खजाना,
दो मिनट की सही ब्रशिंग से,
रोगों को दूर भगाना।

देश सेवा ही धर्म मेरा,
यही मेरा अभिमान है,
भारत माँ की सेवा में,
समर्पित मेरा प्राण है।
मुस्कान बने पहचान हमारी,
सेहत हमारी ताकत हो,
हर कर्म में बस देश बसे,
ऐसी मेरी चाहत हो।

रिकॉर्ड तो बस पहला कदम,
अभी बहूत आगे जाना है,
स्वच्छ और स्वस्थ भारत का,
सपना सच कर दिखाना है।
छोटा हूँ पर हौसला बड़ा,
यही मेरा अरमान है,
हर बच्चे की सच्ची हँसी ही,
मेरी असली पहचान है।

टांग अड़ाने का अपना सुख-चैन

व्यंग्य | आसिम अनमोल

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं जुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गीरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा।

टांग अड़ाने में हमारे भारत को कोई नहीं पछाड़ सकता। इसमें हमारा भारत पूरी तरह पारंगत है। टांग कहीं पर भी अड़ा दो। यह यहीं संभव है। हमारा देश तो टांग अड़ाने से ही चल रहा है। सत्ता पक्ष के हाथों में देश की भागदौड़ आ जाए तो विपक्ष का टांग अड़ाते रहना दिनचर्या का काम है। अड़ाएगा नहीं तो उसकी उम्मीदें परवान कैसे चढ़ेंगी। इसलिए टांग अड़ाना नितांत आवश्यक। चाहे घर में बनते हुए काम में टांग अड़ा दो। ऑफिस की फाइलों में टांग अड़ा दो।

रास्ते में बातचीत करते जा रहे राहगीर में अड़ा दो। किचन में बन रहे व्यंजन में अड़ा दो। अच्छा नहीं बना। ग़रीब के मुश्किल से बन रहे आधार कार्ड में अड़ा दो। पति-पत्नी के फिल्म देखने के प्रोग्राम में अड़ा दो। अड़ाने में कोई बौद्धिक ताकत नहीं लगती। जैसे छप्पर उठाने के लिए नीचे से डंडे अड़ाए जाते थे। वैसे ही आज जगह-जगह टांग अड़ाई जा रही है। टांग अड़ाना भी साहब एक कला है, फिर कला की बेकद्री कैसे की जा सकती है ? टांग सचमुच हर जगह अड़ ही जाती है। माल में खरीदारी करते समय भीड़ में क़दमों की टांग अड़ाई भी हो जाती है। टांग तो टांग है, वो अपनी हरकत से बाज़ कहां आती है। सफल हो रहे रास्तों में भी ऐसे टांग अड़ाई जाती है कि सफलता भी भी टांग अड़ाई पर पीएचडी करने की ठान लेती है। टांग अड़ाना एक अदब का वायज़ बनता जा रहा है। टांग अगर आपने कहीं नहीं अड़ाई तो आपकी टांगों में टांग अड़ा दी जाएगी। बग़ैर टांग अड़ाए इस वतन की मिट्टी में कोई काम हो ही नहीं सकता। ऐसे टांग की अपनी गरिमा बनी रहती है। गरिमा का ध्यान रखते हुए टांग अपना टारगेट हज़ार जगह अपनी टांग अड़ाकर ही पूरा करता है। टांग अड़ाना एक सामाजिक काम हो गया है।

समाज का सहयोग करने के लिए समाज को टांग अड़ाई का जगह-जगह प्रशिक्षण देना भी ज़रूरी हो गया है। जिसे टांग अड़ाना नहीं आता उसे चलते-फिरते लोगों पर टांग अड़ाने का प्रशिक्षण देना ज़रूरी है। टांग अड़ाने में अगर किन्तु परन्तु हो भी जाता है तो भी टांग अड़ाने का हौसला बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए। टांग का बड़ा महत्व है। टूटी हुई टांग भी अपनी मशहूरियत का ऐसे खुलासा करती है कि अगर रास्ते में मैंने टांग नहीं अड़ाई होती तो टांग पर चढ़े प्लास्टर की महत्ता कैसे बढ़ती। इसलिए टांग अड़ाना बहूत जरूरी है। बग़ैर टांग अड़ाए टांग के होने का महत्व ख़त्म हो जाता है। टांग अड़ाना इंसान का मूलभूत हथियार बन चुका है। टांग अड़ाने में इंसान परिपक्व न होकर भी परिपक्वता को समाज के सामने आसानी से ज़ाहिर कर सकता है। टांग फिल्म जगत में भी खूब अड़ाई जाती है। हीरो-हेरोइन का आपसी प्यार तक खलनायक नाग़वार गुज़रता है। तभी ढिशुम ढिशुम टांग अड़ाने का प्रतीक बन जाता है। टांग अड़ाना सारे नियम कायदे सामाजिक सरोकारों को ऐसे धता बताते हैं कि लड़के लड़कियों के रिश्तों तक में टांग अड़ाने से बाज़ नहीं आता।

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं जुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गीरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा। पुलिस तो बिलकुल ही नहीं दिखाई देगी। असल में यह मान लेना चाहिए कि टांग अड़ाना एक फैशन है। अड़ाए बग़ैर चैन भी नहीं। आजकल इंसान इतनी समस्याओं में उलझने के बावजूद हर मसले में टांग अड़ा अड़ाकर सुख-चैन हासिल कर रहा है तो इसमें बुराई क्या है। आपके उन्नति के रास्ते पर टांग अड़ाई जा रही है तो आप परेशान न हों। क्योंकि इस टांग अड़ाई में ही आपकी उन्नति उन्नति को उन्नति तक पहुंचा सकती है। टांग अड़ा अड़ाकर मनुष्य ने जहालत को भी शिष्टाचार बना दिया। टांग अड़ाने को सामाजिक पहचान दिला दी। टांग अड़ाने का महत्व हमारे समाज पर इतना मेहरबान है कि अब 2027 में ना जाने कितनी टांगें सियासत की भगदड़ में अड़ाई जाएंगी। अब टांग अड़ाने में देश का हश्र कुछ भी हो लेकिन टांग अड़ाने वाले अपने हश्र का ख्याल जरूर रखेंगे। देखते हैं कि टांग अड़ाते-अड़ाते हमारे देश का कितना ख्याल रखती हैं टांगें।

मोटिवेशनल

स्क्रीन टाइम कम करने के उपाय

दिव्या तंवर

मोटिवेशनल स्पीकर

आज की युवा पीढ़ी यानी सोशल मीडिया के बिना एक पल भी कल्पना नहीं कर सकती। इंस्टाग्राम, टिकटॉक, फेसबुक, एक्स (पूर्व ट्विटर) और यूट्यूब शॉर्ट्स हमारे रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। सुबह उठते ही नोटिफिकेशन चेक करना, रील्स देखना और स्टोरी पोस्ट करना – ये सब अब आदत बन गई है। क्या आपने कभी सोचा है कि ये प्लेटफॉर्म हमारे दिमाग पर क्या असर डाल रहे हैं? सकारात्मक पहलुओं के साथ-साथ नकारात्मक प्रभाव भी बहूत गहरे हैं। इस लेख में हम इन्हीं प्रभावों पर चर्चा करेंगे और बताएंगे कि स्क्रीन टाइम कैसे कम किया जा सकता है। सोशल मीडिया सबसे पहले तो ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर रहा है। 15-30 सेकंड के रील्स और शॉर्ट वीडियो हमें लगातार नई उत्तेजना देते रहते हैं। नतीजा? पढ़ाई, काम या किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान लगाना मुश्किल हो गया है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, जो युवा रोज 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनकी एकाग्रता का स्तर काफी गिर जाता है। दूसरा बड़ा प्रभाव है तुलना और असुरक्षा की भावना। हम खुद को कमतर समझने लगते हैं, जिससे आत्म-सम्मान घटता है, चिंता बढ़ती है और कई बार डिप्रेशन भी। तीसरा, नींद का बिगड़ना। रात को बेड पर लेटकर स्क्रॉलिंग करने से नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है। चौथा प्रभाव सामाजिक अलगाव है।

स्क्रीन टाइम कम करने के 8 व्यावहारिक उपाय

1. **समय की सीमा तय करें :** फोन के सेटिंग्स में स्क्रीन टाइम फीचर चालू करें। रोज 1-2 घंटे से ज्यादा न इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखें। ऐप जैसे फ्रीडम, आफटाइम इस्तेमाल करें जो फोन को लॉक कर देते हैं।
2. **नोटिफिकेशन्स बंद रखें :** हर 5 मिनट में आने वाले नोटिफिकेशन हमें बार-बार खींचते हैं। सिर्फ जरूरी ऐप्स (जैसे व्हाट्सएप) का नोटिफिकेशन ऑन रखें, बाकी सब साइलेंट मोड पर।
3. **डिजिटल डिटॉक्स का अभ्यास :** हफ्ते में एक दिन "नो-स्क्रीन डे" रखें। सुबह से शाम तक सिर्फ कॉल और मैसेज चेक करें, रील्स या फीड न देखें। शुरू में मुश्किल लगेगा, लेकिन बाद में मन शांत महसूस होगा।
4. **फोन को बेडरूम से बाहर रखें :** सोने से एक घंटा पहले फोन बंद कर दें। उसकी जगह किताब पढ़ें या जर्नल लिखें। नींद बेहतर आएगी।
5. **ऑफलाइन शौक विकसित करें :** जिम जाना, क्रिकेट खेलना, पेंटिंग करना, किताब पढ़ना या गार्डनिंग, ऐसे काम चुनें जो आपको खुशी दें। जब मन भरेगा, सोशल मीडिया की याद ही नहीं आएगी।
6. **ग्रेस्केल मोड ऑन करें :** फोन के कलर को ब्लैक-एंड-व्हाइट कर दें। रंगीन रील्स कम आकर्षक लगेंगी और इस्तेमाल अपने आप कम हो जाएगा।

लघु कथा

पहली जीत

वीना सिंह

कहानीकार

राधिका शहर के बड़े कॉलेज में पढ़ने आई थी। अपने छोटे से कस्बे से पहली बार बाहर निकली थीए सो जिम्मेदारियों का बोझ भी साथ था और डर भी। पढ़ाई में तेज थीए साथ ही मन से पूरी तरह ईमानदार भी द्य लेकिन हॉस्टल की लड़कियों को उसका आत्मविश्वास चुभता था।

क्लास में प्रोजेक्ट प्रेज़ेंटेशन होने वाला था। सहेलियों ने तय कर लिया कि राधिका को बोलने का मौका न दिया जाए। श्ज़्यादा अकड़ दिखाती हैए देखो आज चुप कैसे रहती हैएश वे हंस पड़ीं। राधिका को उनके गलत इरादों की भनक लग गई थीए फिर भी उसने बड़ी मेहनत से स्लाइड्स तैयार की द्य मन बैठ रहा थाकृक्या वाकई में वे सब उसे बोलने नहीं देंगीं। प्रेज़ेंटेशन शुरू हुआ। टीम के बाकी सदस्य बारी.बारी से बोले और जानबूझकर राधिका का नाम टालते रहे। जब अध्यापक ने पूछाए श्और तुम्हारा निष्कर्ष कौन रखेगाघ्श तभी चुपचाप बैठी राधिका खड़ी हो गई।उसकी आवाज़ कांप रही थीए पर आंखों में नमी थीए लेकिन मन में दृढ़ता थी। उसने बिना स्लाइड देखेए पूरे प्रोजेक्ट का सार इतनी स्पष्टता से रखा कि सब चकित रह गए। अध्यापक ने वहीं घोषणा कर दीकृश्प्रोजेक्ट का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण राधिका का था। राधिका सीट पर लौटी तो तालियाँ गूंज उठीं। सहेलियों की आँखें झुकी रह गईं। उसने गहरी सांस ली और फिर कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

कुछ हटकर

बीटेक सीएसई-एआई-एमएल के बाद करियर की भरें उड़ान

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बी.टेक (कंप्यूटर साइंस – ए.आई. एंड एम.एल.) एक चार वर्षीय आधुनिक स्नातक कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। विद्यार्थी पाइथन प्रोग्रामिंग, डाटा स्ट्रक्चर, अल्गोरिथ्म्स, डीप लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क्स , डाटा साइंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, और कंप्यूटर विज़न जैसे विषयों का व्यावहारिक अध्ययन करते हैं। इसका उद्देश्य केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें इंटेलीजेंट सिस्टम्स और ऑटोमेशन के विकास में सक्षम बनाना है। ए.आई. -ड्रिवेन ऍप्लिकेशन्स, डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

उच्च शिक्षा के मौके

यह एक ऐसा कोर्स है जो विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी क्रांति का हिस्सा बनाता है। यह क्षेत्र केवल इंजीनियरिंग नहीं, बल्कि इनोवेशन और ऑटोमेशन का संगम है। सही कौशल, मार्गदर्शन और निरंतर अपडेट के साथ विद्यार्थी इस क्षेत्र में देश और विदेश दोनों में उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं।

प्रमुख विशेषज्ञताएं

ए.आई. और एम.एल. के अंतर्गत अनेक शाखाएँ हैं जिनसे विद्यार्थी भविष्य की तकनीक में अपनी विशेषज्ञता स्थापित कर सकते हैं

- एआई इंजीनियरिंग
- मशीन लर्निंग व डाटा एनालिटिक्स
- डीप लर्निंग एंड न्यूरल नेटवर्क्स
- नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
- रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन
- कंप्यूटर विज़न एंड इमेज रिकग्निशन
- प्रेडिक्टिव मॉडलिंग एंड डाटा माइनिंग

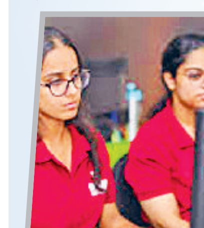

आवश्यक कौशल

छात्रों में निम्नलिखित क्षमताएं आवश्यक हैं ,लॉजिकल थिंकिंग और एनालिटिकल स्किल्स, डाटा मॉडलिंग और स्टेटिस्टिक्स की समझ, पाइथन या जावा जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज में दक्षता, मशीन लर्निंग लाइब्रेरीज का ज्ञान, प्रॉब्लम सॉल्विंग और रिसर्च ओरिएंटेशन के माध्यम से भूमिका निभा सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

हर उद्योग चाहे वह हेल्थकेयर हो, फाइनेंस, एजुकेशन या ई-कॉमर्स — अब ए.आई. सोलूशन्स की ओर अग्रसर है। जैसे आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ,डाटा साइंस और एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, क्लाउडऔर ए.आई. इंटीग्रेशन

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में ए.आई. & एम.एल. स्नातकों की प्रारंभिक आय लगभग ₹6 से ₹10 लाख वार्षिक होती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह ₹20 से ₹30 लाख वार्षिक तक पहुँच सकती है।सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी क्षेत्र में भी ए.आई. और डाटा एनालिटिक्स की भूमिका अब अत्यधिक बढ़ गई है। कई विभाग और अनुसंधान संस्थान ऑटोमेशन , साइबर सिक्योरिटी, डिफेन्स रिसर्च और इ -गवर्नेंस परियोजनाओं में ए.आई. विशेषज्ञों को नियुक्त कर रहे हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक के बीच होता है, जबकि अनुभव और शोध अनुभव के साथ यह ₹15 लाख या उससे अधिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

परशुराम जन्मोत्सव पर धर्म और समाज सेवा का दिया संदेश, प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया सम्मानित

अन्याय के खिलाफ खड़े हों, नशे से दूर रहें युवा: संत ब्रह्मदास

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

डेरा बाबा भूमणमशाह के संत बाबा ब्रह्मदास महाराज ने कहा कि जब भी धरती पर किसी महापुरुष का अवतार होता है, उसके पीछे कोई विशेष उद्देश्य होता है। महापुरुष समाज के उद्धार के लिए ही इस धरा पर अवतरित होते हैं। जब पाप, अत्याचार और अज्ञानता बढ़ जाती है तथा धर्म का ह्रास होने लगता है, तब भगवान परशुराम ने अवतार लेकर अधर्म का नाश किया और धर्म की स्थापना की। उन्होंने कहा कि आज हम सभी का कर्तव्य है कि जहां कहीं भी अन्याय और पाप हो रहा हो, उसका दृढ़ता से विरोध करें। साथ ही उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें और देश सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। संत ब्रह्मदास रविवार को परशुराम जन्मोत्सव एवं अक्षय तृतीया पर सिरसा के गीता भवन मंदिर में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रममें शिक्षा व खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन व हरियाणा कौशल रोजगार निगम के निदेशक देव कुमार शर्मा ने कहा कि जुर्म व अत्याचार कभी नहीं सहना चाहिए, बल्कि उसका हमेशा विरोध करना चाहिए, तभी जीवन सार्थक बनता है। अपने लिए तो सभी लड़ते हैं, लेकिन हमारी सोच भगवान परशुराम, श्री गुरु गोबिंद सिंह, शहीद भगत सिंह और स्वतंत्रता सेनानियों जैसी होनी चाहिए। यदि हम समाज के लिए जीते हैं, तो देश तरक्की करता है और कोई भी व्यक्ति भोजन, दवा व शिक्षा से वंचित नहीं रहता। संत-महापुरुष किसी एक जाति या वर्ग के नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज के होते हैं। भगवान परशुराम ने भी अधर्म का नाश कर सत्य और धर्म की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम साहस, पराक्रम और धर्म के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें अन्याय और अधर्म के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है। जब भी समाज में पाप, अत्याचार और अन्याय बढ़ता है, तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतार लेकर धर्म की रक्षा करते हैं। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

सिरसा। परशुराम जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते बाबा ब्रह्मदास महाराज व अन्य। फोटो : हरिभूमि

अच्छे संस्कार व प्रेरणा साथ लेकर जाए : चोपड़ा

मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सलाहकार जगदीश चोपड़ा ने कहा कि जब हम पूरे समाज को अपना परिवार मानने लगते हैं, तभी सच्चे संस्कार विकसित होते हैं और देश प्रगति करता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन तभी सार्थक होगा, जब हम यहां से कुछ अच्छे संस्कार और प्रेरणा अपने साथ लेकर जाएं। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम ने मानव कल्याण के लिए धरती पर अवतार लिया और 21 बार दुष्टों का नाश कर धर्म की रक्षा की। उनके जीवन से हमें यह संदेश मिलता है कि हम चाहे किसी भी वर्ग से हों, समय की आवश्यकता के अनुसार देश और समाज के हित में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में ब्राह्मण सभा के प्रधान अर्जुन शर्मा, नगर परिषद सिरसा के चेयरमैन शांति स्वरूप, पत्रकार आरके. भारद्वाज, शंकर शर्मा आदि मौजूद रहे।

हवन-यज्ञ के साथ मनाया भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव एवं अक्षय तृतीया

फतेहाबाद। श्री ब्राह्मण सभा, फतेहाबाद द्वारा भगवान श्री परशुराम मंदिर, फतेहाबाद में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव एवं अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर विशाल हवन-यज्ञ का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित चरणजीत शर्मा भंडारे वाले बाबा द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। इसके उपरांत सभा के संयुक्त सचिव रविकांत शर्मा के परिवार एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा विधि-विधानपूर्वक हवन-यज्ञ संपन्न कराया गया। यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं ने आहुति अर्पित कर भगवान श्री परशुराम जी से समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं उन्नति की कामना की। हवन-यज्ञ के पश्चात सभा द्वारा मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं आसपास के क्षेत्र के निवासियों को श्रद्धापूर्वक प्रसाद वितरित किया गया। सभा के सचिव रोहताश शर्मा व सह सचिव रवि कान्त शर्मा ने बताया कि सभा के प्रधान राजेंद्र शर्मा, उप-प्रधान बजरंग शर्मा, सचिव रोहताश शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रवण शर्मा, रविकांत शर्मा सहसचिव, पंडित चरणजीत शर्मा, रामनिवास शर्मा पूर्व प्रधान, जेआर शर्मा, एडवोकेट अजय शर्मा, डॉ. सीता राम शर्मा, हरीश शर्मा, परमजीत शर्मा, प्रो. आरके कौशिक, एडवोकेट विकास शर्मा, डॉ. अजय, विकास सारस्वत, डॉ. दिलीप अहलिसदार, अंकित शर्मा, डॉ. नीरज शर्मा, विजेन्द्र शर्मा, सुनील शर्मा, बलवंत शर्मा, विजय सारस्वत, गौरव शर्मा, लक्ष्य शर्मा, सुभाष शर्मा, प्रदीप शर्मा मैनेजर, भूप शर्मा, दुष्यंत शर्मा, यशपाल शर्मा, राम निवास सरवरपुर, अश्वनी शर्मा, सत्य परकाश शर्मा ढांड, राजेश पराशर, शिव कुमार शर्मा सहित शहर एवं आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ब्राह्मण बंधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सभी श्रद्धालुओं ने मंदिर में माथा टेककर भगवान श्री परशुराम जी के चरणों में शीश नवाया तथा एक-दूसरे को भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव एवं अक्षय तृतीया की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान पूरे वातावरण में धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता एवं भाईचारे का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने समाज को एकता एवं संस्कारों के सूत्र में बांधने का कार्य किया।

फतेहाबाद। ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते पंडित चरणजीत शर्मा।

ब्राह्मण धर्मशाला में हवन व लगाया भंडारा

भूना। भगवान परशुराम जन्मोत्सव रविवार को ब्राह्मण धर्मशाला परिसर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और पूरे परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूर्ण आहुति देकर देश व समाज की खुशहाली की कामना की। हवन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

भगवान परशुराम संस्था के प्रधान एवं सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता पी.डी. शर्मा ने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष समाज में एकता और धार्मिक मूल्यों को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन त्याग, पराक्रम और धर्म की रक्षा का प्रतीक है, जिससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने अपने संबोधन में भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सदैव अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और समाज को धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। आज के समय में भी उनके आदर्श प्रासंगिक हैं और युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान समाज के लोगों में आपसी भाईचारा और एकजुटता देखने को मिली।

भूना। भगवान परशुराम प्रतिमा के समक्ष श्रद्धा से पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर संस्था के सचिव सेवानिवृत्त मुख्य अध्यापक वीरेंद्र शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि बजरंग शर्मा, देवी दयाल शर्मा, सतपाल शर्मा, रमेश शर्मा, नौरंग शर्मा, जगन्नाथ शर्मा, सतवीर शर्मा नहला, रिछपाल शर्मा मोचीवाली, नरेश शर्मा जांड़ली, मुंशीराम चौबारा, रामचंद्र शर्मा, संजय शर्मा नाढोड़ी, राम रतन शर्मा, नरेंद्र शर्मा मोचीवाली और कलीराम शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पैदल भारत यात्रा कर रहे हर्ष भारद्वाज पहुंचे सिरसा

सिरसा। पांच संकल्पों को भारत यात्रा पर पैदल निकले करनाल जिले के गांव बालू निवासी हर्ष भारद्वाज अपनी 1000 दिनों की यात्रा के 977वें दिन रविवार को सिरसा स्थित श्री श्याम गौरक्षा आश्रम पहुंचे। इस मौके पर आश्रम में स्थित श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर हवन यज्ञ किया गया, जिसमें उपस्थित महानुभावों ने आहूति डाली। इस दौरान हर्ष भारद्वाज ने बताया कि वे पांच उद्देश्यों को लेकर इस पैदल यात्रा पर निकले हैं, जिनमें अपना भारत-अपनी संस्कृति, स्वदेशी अपनाओ देश-बचाओ, एक लाख पौधे बांटना व श्रीमद्भागवत घर-घर पहुंचाना व गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलवाना। अब तक वे 28 राज्यों में भ्रमण कर चुके हैं। आज उन्होंने सच्चे भारत की झलक यहां गौआश्रम में देखी, जहां सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालु सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम भारत में रह रहे हैं और भारत की संस्कृति को नहीं अपना रहे तो हमें भारतीय होने का कोई फायदा नहीं है।

खबर संक्षेप

ब्लॉक स्तर पर मनाई जाएगी आंबेडकर जयंती

रतिया। भारत रत्न डा.बी.आर. आंबेडकर साहेब सभा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्व सम्मति से 27 अप्रैल को भारत रत्न भारत रत्न डॉ. बीआर आंबेडकर जी की 135वी जयंती ब्लाक स्तर पर रांझा दास डेरा भारती निकेतन स्कूल के पीछे बड़ी धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। सदस्यों ने कहा कि भारत बाबा साहेब द्वारा निर्मित भारत के संविधान के प्रति समाज को जागरूक करना चाहिए और बाबा साहब साहेब जी की जयंती व परिनिर्वाण दिवस, भारत का संविधान दिवस आदि पर्व धूमधाम से मनाए जाने चाहिए। इस मौके पर बलदेव ग्रोहा, कैप्टन जगजीत सिंह, जसप्रीत सिंह सरपंच, डॉ सुनील इंदौरा, रूप सिंह, हरमिंद्र सिंह, जोनी सिंह, राजा सिंह, देवराज हड़ौली, गुरबाज सिंह आदि मौजूद रहे।

'जल नीति सूत्र नीति' दिवस मनाया

सिरसा। गणपति योग केंद्र में रविवार को जल नीति सूत्र नीति दिवस मनाया गया। संस्था की अध्यक्ष उर्वशी तंवर के मार्गदर्शन में योग साधकों के लिए निशुल्क शिविर लगाया गया जिसमें नजला जुकाम तथा अन्य समस्याओं के बारे में पतंजलि योग समिति के महासचिव वीरेंद्र नागपाल ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का प्रेक्टिकल करके हल सुझाया। सहयोग प्रभारी हरियाणा पतंजलि योग समिति विनोद सोनी ने भजन सुनाकर तथा महर्षि स्वामी रामदेव द्वारा बताए गए सूत्र सभी योग साधकों को बताकर उन्हें पतंजलि योग समिति हरिद्वार जाने के लिए आमंत्रित किया और करो योग-रहो निरोग के सिद्धांत पर चलते हुए सभी योग साधकों ने आत्मभूति प्रगति की तथा लगातार योग से जुड़े रहने का संकल्प लिया।

खेतों में चल रहे जुए में 10 आरोपी पकड़े

भूना। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस ने जुआ खेलने के मामले में 10 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 53,300 रुपए की नकदी भी बरामद की है। आरोपियों की पहचान दीपक कुमार वार्ड 9 भूना, बनी सिंह वार्ड 11, बरवाला, साहिल व राजेंद्र सिंह वार्ड 4, बरवाला, दारा सिंह बस स्टैंड मोहल्ला, बरवाला, राकेश कुमार, रोहताश कुमार, रणवीर उर्फ पप्पू सभी निवासी सनियाना और राजेश कुमार चमारखेड़ा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार जिला एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव सनियाना के खेतों में कुछ लोग ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं।

सरकार किसान व आढ़तियों से खेल रही पोर्टल-पोर्टल: गर्ग

- मंडियों में गेहूं का अंबार, 19 दिन से भटक रहे किसान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने अनाजमंडी में व्यापारी व किसानों की समस्या सुनने के उपरांत कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश का किसान व आढ़ती बर्बादी के कगार पर है। सरकार हरियाणा की मंडियां व किसानों को बर्बाद करने पर तुली हुई है। गर्ग ने कहा कि हरियाणा में गेहूं की पैदावार 125 लाख मीट्रिक टन है? लेकिन सरकार गेहूं खरीद का लक्ष्य सिर्फ 72 लाख मीट्रिक टन रखना चाहती है जो सरकार की नीयत में पूरी तरह खोट को दर्शाता है। पिछले साल सरकार ने 80 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा हुआ था। इस साल गेहूं खरीद का लक्ष्य सरकार को बढ़ाना चाहिए था। सरकार ने गेहूं खरीद का लक्ष्य बढ़ाने की बजाय घटाकर घटिया सोच का परिचय दिया है। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा की मंडी व खरीद केंद्र पर अब तक 74 लाख मीट्रिक टन गेहूं आने के बावजूद उठान सिर्फ 13 लाख मीट्रिक टन होना सरकार की विफलता है। सरकार द्वारा गेहूं की खरीद, उठान व भुगतान न होने से किसान 19 दिनों से मंडियों में चक्कर लग रहा है। मंडियों में गेहूं भरी पड़ी है। यहां तक की मंडियों के बाहर गेहूं से भरी ट्रैक्टर ट्रालियां की लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई हैं। गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री का गेहूं खरीद उठान व भुगतान 48 घंटे में करने के सभी दावे हवा हवाई सिद्ध हुए हैं। मुख्यमंत्री को झूठी घोषणा करने की बजाय गेहूं की खरीद, उठान? व भुगतान तुरंत प्रभाव से करनी चाहिए।

सिरसा। अनाज मंडी में गेहूं की खरीददारी का जायजा लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये भी बोले गर्ग

सरकार नए-नए नियम बनाकर किसान व आढ़तियों को तंग करने में लगी हुई है। सरकार किसान व आढ़तियों के साथ पोर्टल-पोर्टल खेल रही है जबकि सरकार का पोर्टल चलता तक नहीं है। बजरंग गर्ग ने कहा कि 30 सालों से आढ़तियों का कमीशन 2.5 प्रतिशत है। सरकार ने आढ़तियों का कमीशन बढ़ाने की बजाय घटाने व खत्म करने का काम किया है। इस अवसर पर उनके साथ व्यापार मंडल के जिला प्रधान हीरालाल शर्मा, सिरसा शहरी प्रधान कीर्ति गर्ग, महासचिव अश्विनी बांसल, प्रदेश सचिव सुधीर ललित, युवा संरक्षक संदीप मिंडा, पवन गर्ग, प्रदेश युवा प्रभारी राहुल गर्ग, अतुल गोयल, तुषार गर्ग आदि व्यापारी भी मौजूद थे।

29 मई को किसान खुईयां टोल प्लाजा करेंगे पर्ची मुक्त: लखविंद्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

किसानों मजदूरों की मांगों को लेकर किसान संगठन एसकेएम द्वारा आगामी 29 मई को खुईयां टोल प्लाजा को पर्ची मुक्त किया जाएगा। किसान नेता लखविंद्र सिंह ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में यह निर्णय लिया गया है।उन्होंने कहा कि बैठक में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के तहत एमएसपी खरीद गारंटी कानून, किसानों और मजदूरों की संपूर्ण कर्ज माफी, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट समेत विभिन्न किसान मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस बैठक में निर्णय लिया गया कि पंजाब और हरियाणा में किसानों के मुद्दों को लेकर चरणबद्ध तरीके से टोल प्लाजाओं को पर्ची मुक्त किया जाएगा। इसके तहत 11 मई को फिरोजशाह टोल प्लाजा (फिरोजपुर- लुधियाना रोड), 18 मई को सोलखियां टोल प्लाजा (चंडीगढ़-अमृतसर रोड, रोपड़) और 29 मई को खुइयां टोल प्लाजा (डबवाली-दिल्ली रोड, सिरसा, हरियाणा) पर सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक पर्ची मुक्त आंदोलन किया जाएगा। आगे भी इस संघर्ष को जारी रखते हुए नई तिथियां घोषित की जाएंगी।

खास बातें

- बैठक में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के तहत एमएसपी खरीद गारंटी कानून, किसानों और मजदूरों की संपूर्ण कर्ज माफी, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट समेत विभिन्न किसान मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की

खेतों से मोटर की तारें चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 5 सदस्य काबू

पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों को खंगाला और अपने गुप्त सूचना तंत्र को किया सक्रिय

- पुलिस ने संपत्ति चोरों के खिलाफ चला रही विशेष अभियान
- पुलिस कार्रवाई से क्षेत्र के किसानों ने ली राहत की सांस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस द्वारा संपत्ति चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर रतिया पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने रतिया क्षेत्र के खेतों और ढाणियों में पानी वाली मोटरों की केबल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए इसके 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र के किसानों ने राहत की सांस ली है।

थाना शहर रतिया प्रभारी निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि यह कार्रवाई वार्ड नंबर 1, रतिया निवासी हरपाल सिंह की शिकायत पर की गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि उसके खेत से पानी वाली मोटर की करीब 40 फुट केबल चोरी हो गई है। जब आसपास के खेतों की जांच की गई, तो अन्य किसानों के खेतों से भी कीमती तारें गायब मिली थीं। पीड़ित किसानों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 305 के तहत मुकदमा दर्ज किया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों को खंगाला और अपने गुप्त सूचना तंत्र को सक्रिय किया, जिसके आधार पर गिरोह के पांचों सदस्यों को दबोच लिया गया।

आरोपियों की पहचान

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रतिया के थेहड़ मोहल्ला निवासी वीरपाल उर्फ वीर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह, वकील उर्फ जगरूप सिंह पुत्र गोबिंद सिंह और बबलू पुत्र रामजीलाल के रूप में हुई है। इनके साथ ही पुलिस ने जोधकां निवासी उमेश पुत्र रामू और हुड्डा सेक्टर-19, सिरसा निवासी दीपू पुत्र पप्पू राम को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में रतिया और सिरसा दोनों क्षेत्रों के युवक शामिल हैं, जो संगठित होकर खेतों को निशाना बनाते थे। पुलिस ने आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्होंने इस क्षेत्र के अलावा अन्य कहां-कहां चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है और चोरी का माल वे कहां खपाते थे।

अक्षय तृतीया आखा तीज पर्व मनाया

चोपटा। राजस्थान की सीमा से सटे पैंतालिसा क्षेत्र के गांवों में अक्षय तृतीया आखा तीज का पर्व ग्रामीणों और किसानों द्वारा श्रद्धा और उल्लास के साथ परंपरागत ढंग से मनाया गया। ग्रामीण महिलाओं ने अपने घरों में बाजरे की खिचड़ी बनाकर भगवान को भोग लगाया। ग्रामीण महिला कमला डारा, सीता देवी, शकुंतला, संतोष ने बताया कि आखा तीज का का दिन अबूझ मुहूर्त का दिन होता है इस दिन किसान नई फसल की बिजाई के लिए हल जोतने की शुरुआत करते हैं तथा घरों में बाजरे की खिचड़ी बनाकर भगवान को भोग लगाया जाता है और हलधर किसान को भोजन कराया जाता है। और ग्रामीण अच्छी बारिश और भरपूर उत्पादन की कामना करते हैं। इसी कड़ी में क्षेत्र के गांव कागदाना, कुम्हारिया, खेड़ी, गुसाईं आना, राजपुरा साहनी, गिगोरानी, रामपुरा ढिल्लों, जमाल, कुतियाना, रुपावास, नाथूसरी कलां, लुदेसर सहित सभी गांवों में बाजरे की खिचड़ी बनाकर अपने घरों में रहकर त्यौहार को मनाया। साथ ही परशुराम जयंती पर भगवान परशुराम को नमन किया।

चोपटा। गांव कुम्हारिया में आखा तीज के अवसर पर बाजरे की खिचड़ी बनाने के लिए बाजरे को तैयार करती महिला।

नेशनल कॉलेज के विद्यार्थियों का साहित्यिक महोत्सव 'कलरव' में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

राजकीय नेशनल कॉलेज के विद्यार्थियों ने चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय साहित्यिक महोत्सव 'कलरवः द लिटरेरी फेस्टिवल' में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 पुरस्कार अपने नाम किए। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रो. रमेश सोनी ने बताया कि विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय महाविद्यालय की सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधि समिति की संयोजक डॉ. स्मृति कंबोज तथा थिएटर क्लब की प्रभारी डॉ. मंजू मेहता के कुशल मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं सतत सहयोग को जाता है। महाविद्यालय पहुंचने पर सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों का भव्य स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

ये रहे परिणाम

प्रतियोगिताओं में लक्षिता (बी.ए. अंतिम वर्ष), जीत सिंह (बी.कॉम प्रथम वर्ष) एवं हर्षदीप (बी.ए. अंतिम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रंगोली में तनुष, तमसा और अंशिका की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि लक्षिता ने स्लोगन लेखन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हिमांशी (बी.ए. प्रथम वर्ष), विप्रीत (बी.ए. द्वितीय वर्ष) एवं बिंदु (बी.एससी प्रथम वर्ष) ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में तृतीय स्थान अर्जित किया।

अनोखी पहल : बरगद का पौधा रोपकर किया हनुमान चालीसा का पाठ

बरगद के पेड़ का भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखता

- सदस्यों ने समाज में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रतिया

शहर में सामाजिक व धार्मिक चेतना को बढ़ावा देते हुए बालाजी सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ट्रस्ट के सदस्यों और गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में बरगद का पौधा लगाया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि पौधारोपण के साथ-साथ हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ भी किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में पूर्व जिला महामंत्री विनोद जग्गा व जिला पार्षद वकील नथवान ने मुख्य रूप से भाग लेते हुए कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है। लगातार बढ़ते प्रदूषण और घटती हरियाली के कारण जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण जैसे कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि बरगद का पेड़ भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखता है। यह न केवल दीर्घायु और विशाल छाया देने वाला वृक्ष है, बल्कि पर्यावरण को शुद्ध रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भी बरगद का पेड़ सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसका रोपण करना एक पुण्य कार्य है।

कार्यक्रम के दौरान हनुमान चालीसा का पाठ कर सभी ने भगवान हनुमान से समाज में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि जब सामाजिक कार्यों के साथ धार्मिक भावनाएं जुड़ जाती हैं, तो उनका प्रभाव समाज पर और भी अधिक सकारात्मक पड़ता है। इस अवसर पर नगरपालिका के वाइस चेयरमैन जोगेंद्र उर्फ नंदा, जगदेव सिंह, तरसेम सिंह, लवली ग्रोवर, मनी, बिन्टा, सुनील कुमार सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पौधे को जल अर्पित किया और उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया। बालाजी सेवा समिति ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था समय-समय पर सामाजिक, धार्मिक व पर्यावरण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती रहती है और आगे भी शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी। कार्यक्रम के अंत में आमजन से अपील की गई कि वे भी अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी नियमित देखभाल कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

रतिया। पौधारोपण करते बालाजी सेवा समिति के सदस्य।

खबर संक्षेप

गुरुद्वारा साहिब में अखंड पाठ का भोग डाला

ओढां। श्री गुरुद्वारा साहिब ओढ़ा में गांव के पूर्व सरपंच पलविंद्र सिंह चहल की माता के अंतिम अरदास पर श्री अखण्ड पाठ का भोग डाला गया। गुरुद्वारा साहिब के मुख्य हेडग्रंथी अमृतपाल सिंह ने दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को हौसला देने के लिए अरदास की। उन्होंने कहा कि इस नश्वर संसार से जाना सभी ने है मगर कुछ व्यक्ति ऐसे भी होते है जिनकी पूर्ति नही हो सकती। उनहोंने कहा कि माता बलवीर कौर धार्मिक व सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहती थी। वहीं उनकी अंतिम अरदास में काफी संख्या में सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक हस्तियों व काफी संख्या में लोग शामिल हुए।

मोटरसाइकिल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक युवक को आदमपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि पटेल बस्ती निवासी सौरभ बाइक चोरी की शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में सौरभ ने बताया कि वह होली नर्सिंग अस्पताल में काम करता है। ड्यूटी खत्म करने के बाद जब उसने बाइक संभाला तो गायब मिला। पहले उसने आसपास के लोगों से पूछताछ की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई। पुलिस ने जांच के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दीपक कुमार निवासी आदमपुर जिला हिसार को चोरीशुदा बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है।

39 डिग्री की तपिश से मंडियों में आवक तेज

बंपर पैदावार : पिछले साल से दोगुना आई मंडियों में गेहूं की फसल, 60% हुई खरीद

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। मंडियों में हुई गेहूं की बम्पर आवक। फोटो : हरिभूमि

- गेहूं की कटाई का अंतिम पड़ाव 15 मई तक होगी सरकारी खरीद

जिले में गर्मी ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। रविवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23 डिग्री दर्ज किया गया, जिससे दिनभर तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान किया। इसके बावजूद खेतों में गेहूं कटाई का काम तेजी से जारी है और अब तक करीब 70 फीसदी फसल की कटाई पूरी हो चुकी है। अब तक जिले की मंडियों में 63 लाख 68 हजार क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है जिसमें से 60 प्रतिशत गेहूं सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदा जा चुका है। एक सप्ताह तक पूरी गेहूं मंडियों में आ जाएगी। किसान सुबह जल्दी और शाम को देर तक काम कर रहे हैं ताकि फसल समय पर मंडियों तक पहुंच सके। हालांकि मंडियों में खरीद की धीमी रफ्तार और तकनीकी खामियों के कारण किसानों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उनकी चिंता बढ़ गई है। गेहूं की कटाई अंतिम पड़ाव है। हालांकि सरकारी खरीद 15 मई तक होनी है। गांवों में इस समय कटाई का काम चरम पर है। कंबाइन मशीनें लगातार खेतों में चल रही हैं, जबकि कई जगहों पर मजदूरों की कमी भी देखने को मिल रही है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण दिन में काम करना कठिन हो गया है, फिर भी किसान समय पर फसल समेटने के लिए जुटे हुए हैं। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम साफ रहने से कटाई में तेजी आई है, लेकिन अत्यधिक गर्मी श्रमिकों और किसानों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर, मंडियों में गेहूं खरीद की रफ्तार धीमी होने से हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। तकनीकी खामियों, पोर्टल संबंधी दिक्कतों और उठान की धीमी प्रक्रिया के चलते किसानों को घंटों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई मंडियों में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें लगी हैं। इससे किसानों को न केवल समय की हानि हो रही है, बल्कि गर्मी में खड़े रहने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार लगातार बढ़ती गर्मी मानव स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर डाल रही है। तेज धूप में लंबे समय तक काम करने से लू लगने, डिहाइड्रेशन, चक्कर आना और थकावट जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। खेतों और मंडियों में काम कर रहे किसानों और मजदूरों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। पर्याप्त पानी पीना, सिर को ढककर रखना और दोपहर के समय काम से बचना जरूरी बताया जा रहा है। किसानों का कहना है कि यदि मंडियों में खरीद प्रक्रिया तेज नहीं हुई तो आने वाले दिनों में स्थिति और कठिन हो सकती है। कटाई तेजी से जारी है और आवक लगातार बढ़ रही है, ऐसे में मंडियों में जगह की कमी और लंबा इंतजार समस्या को और बढ़ा सकता है। प्रशासन द्वारा व्यवस्था सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अभी राहत सीमित नजर आ रही है। किसानों का कहना है कि गर्मी के कारण काम करना मुश्किल हो रहा है और मंडी में इंतजार अलग से बढ़ गया है। खरीद तेज होनी चाहिए ताकि राहत मिल सके।

खरीद और उठान की स्थिति

- फतेहाबाद जिले में आवक : 6368762
- अब तक हुई खरीद : 3854271
- अब तक हुआ उठान : 894797
- मंडियों में पड़ा गेहूं : 5473965

मंडियों में परेशानी के कारण

- तकनीकी खामियों से खरीद प्रक्रिया प्रभावित
- ऑनलाइन पोर्टल में आ रही दिक्कतें
- गेहूं उठान की धीमी गति
- ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें

गर्मी से बचाव के उपाय

- दिन में ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं
- सिर और शरीर को ढककर रखें
- दोपहर 12 से 3 बजे के बीच काम से बचें
- हल्का और तरल भोजन लें

उठान प्रकिया कछुआ चाल मंडी में नहीं बची जगह

फतेहाबाद। जिले में इस बार गेहूं की आवक ने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। जिले की अनाज मंडियों में गेहूं का अंबार लगा हुआ है, लेकिन उठान की प्रक्रिया कछुआ चाल से चलने के कारण मंडियों में पैर रखने तक की जगह नहीं बची है। प्रशासन द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस सीजन में अब तक कुल 63,68,762 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। यह आंकड़ा पिछले साल की कुल आवक 30,38,630 क्विंटल के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है।

मुफ्त योजनाएं व सब्सिडी सत्ता पाने का आसान हथियार बनी : संपत

फतेहाबाद। कार्यकर्ताओं से बातचीत करते पूर्व मंत्री सम्पत सिंह। फोटो : हरिभूमि

- पूर्व मंत्री ने कहा : सरकार ने शिक्षा और चिकित्सा देने में हाथ खड़े किए, निजी हाथों में सौंपा जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पूर्व मंत्री एवं इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक प्रो. सम्पत सिंह ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से सरकार ने शिक्षा और चिकित्सा देने में हाथ खड़े कर दिए हैं और इन्हें निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल दिखावटी विस्तार कर रही है, जबकि जमीनी सच्चाई पूरी तरह खोखली है।

कार्यकर्ताओं से बातचीत मे पूर्व मंत्री सम्पत सिंह ने कहा कि 2004 में प्रदेश में 66 कॉलेज और 5 विश्वविद्यालय थे, जो बढ़ाकर 186 व 23 कर दिए गए हैं। इसी तरह अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है, लेकिन यह विस्तार केवल कागजों तक सीमित है, न तो शिक्षकों की नियुक्ति हो रही है और न ही डॉक्टरों की। नतीजा यह है कि पढ़ाने के लिए प्राध्यापक नहीं और इलाज के लिए डॉक्टर नहीं हैं। दवाइयों और उपकरणों की भारी कमी है, और कई नए कॉलेज प्राथमिक स्कूलों में चलाए जा रहे हैं। सम्पत सिंह ने कहा कि प्राध्यापकों, प्रोफेसरों और डॉक्टरों के 50 प्रतिशत से अधिक पद खाली पड़े हैं। सभी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और अस्पताल वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं, यहां तक कि सरकारी विश्वविद्यालयों को अनुदान की जगह कर्ज दिया जा रहा है। उन्होंने सरकार पर बजट में भी कटौती का आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा का हिस्सा लगातार घट रहा है। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार 2017-18 में शिक्षा बजट कुल बजट का 12 प्रतिशत था, जो घटकर 2023-24 में 8.7 प्रतिशत और 2024-25 में 8.5 प्रतिशत रह गया।

रोजगार सृजन व विकास कार्यों में करें निवेश

प्रो. सम्पत सिंह ने कहा कि आज हर परिवार की आय का बड़ा हिस्सा शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च हो रहा है। यदि सरकार मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के बजाय शिक्षा और चिकित्सा को वास्तव में मुफ्त और मजबूत बनाने पर ध्यान दे तथा रोजगार सृजन और विकास कार्यों में निवेश करे, तो जनता खुश होगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियां प्रदेश के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही हैं।

धार्मिक आस्था को ठगी का हथियार न बनने दें बुकिंग स्कैम से आमजन रहें सावधान : एसपी

- आरोपी वीआईपी दर्शन व विशेष पूजा पर बनाते है शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

एसपी निकिता खट्टर

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने धार्मिक यात्राओं और दर्शन के नाम पर होने वाली साइबर ठगी को लेकर आमजन के नाम एक विशेष अपील जारी की है। उन्होंने श्रद्धालुओं को आगाह किया है कि साइबर अपराधी लोगों की भक्ति और आस्था का फायदा उठाकर धार्मिक बुकिंग स्कैम के जरिए उनके बैंक खाते साफ कर रहे हैं।

एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि ठगों ने अयोध्या, खाटू श्याम और केदारनाथ जैसे बड़े तीर्थस्थलों के नाम पर फर्जी डिजिटल जाल बिछा रखा है। उन्होंने कहा, साइबर अपराधी प्रसिद्ध मंदिरों के नाम से मिलती-जुलती वेबसाइट और सोशल मीडिया पेज बनाकर लोगों को वीआईपी दर्शन, विशेष पूजा और सस्ते हेलीकॉप्टर पैकेज का लालच देते हैं। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के वशीभूत होकर बिना जांच-पड़ताल किए इन ठगों के झांसे में आ जाते हैं। एसपी ने कहा कि कोई भी प्रतिष्ठित धार्मिक ट्रस्ट या सरकारी संस्था किसी व्यक्ति के निजी बैंक खाते या निजी यूपीआई आईडी पर पैसे की मांग नहीं करती। उन्होंने कहा कि ठगआज आखिरी दिन जैसी बातें कहकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, जिससे बचने की जरूरत है। सुरक्षा के लिए एसपी ने सुझाव देते हुए कहा कि हमेशा आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें। गूगल सर्च में ऊपर आने वाले विज्ञापनों और सोशल मीडिया के लुभावने लिंक्स पर क्लिक न करें।

नशे पर प्रहार: जिला पुलिस ने भूना और रतिया से दो तस्कर किए गिरफ्तार, हेरोइन बरामद

सीआईए टोहाना ने मॉडल टाउन स्थित जैन मंदिर वाली गली में गश्त के दौरान आरोपी रामनिवास को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। हेरोइन सहित पकड़ा गया युवक।

फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अलग-अलग मामलों में दो हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में अपराध अनुसंधान शाखा टोहाना की टीम ने भूना क्षेत्र में नशा तस्करी के नेटवर्क पर चोट करते हुए एक युवक को हेरोइन (चिट्टा) और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीआईए टोहाना के प्रभारी उप निरीक्षक अशोक ने बताया कि पुलिस की एक टीम कल शाम गश्त और सुरक्षा चेकिंग के दौरान भूना-उकलाना रोड पर तैनात थी। इसी दौरान टीम को सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड नंबर 11, भूना निवासी रामनिवास उर्फ काला हेरोइन की सप्लाई देने की फिराक में है। सूचना के मुताबिक, आरोपी अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर मॉडल टाउन स्थित जैन मंदिर वाली गली के पास किसी ग्राहक का इंतजार कर रहा था। सूचना मिलते ही सीआईए की टीम ने बिना समय गंवाए बताए गए स्थान पर छापेमारी की। पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे चारों ओर से घेरकर काबू कर लिया। जब पुलिस बल द्वारा नियमानुसार आरोपी की तलाशी ली गई, तो उसके कब्जे से 16.31 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ-साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल को भी अपने कब्जे में ले लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रामनिवास उर्फ काला पुत्र राजेश कुमार, निवासी रामलीला ग्राउंड के पास, वार्ड-11, भूना के रूप में हुई है।

पट्रोल पंप के पीछे पार्क में कर रहा था इंतजार

दूसरे मामले में सीआईए रतिया की टीम ने गुरसेवक पुत्र सतपाल निवासी नजदीक सेठी डेयरी, बड़ी नहर, रतिया को गिरफ्तार कर उसके पास से 6.32 ग्राम हेरोइन बरामद की है। सीआईए रतिया प्रभारी उप निरिक्षक प्रदीप ने बताया कि पुलिस टीम कल लोहारी चौक, रतिया के पास गश्त पर थी। इसी दौरान सूचना मिली थी कि गुरसेवक, जो हेरोइन बेचने का काम करता है, लोहारी चौक के सामने बन्द पेट्रोल पंप के पीछे खाली मैदान में ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। इस पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर युवक को काबू कर लिया।

जरूरतमंद बेटी की शादी में डेरा श्रद्धालुओं ने निभाई जिम्मेदारी

फतेहाबाद। परिवार की मदद करते डेरा श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

क्षेत्र के गांव मताना में एक गरीब परिवार अपनी बेटी की शादी करने में असमर्थ था। आर्थिक तंगी के कारण परिवार बेहद परेशान था। जैसे ही इस मामले की जानकारी डेरा सच्चा सौदा फतेहाबाद के श्रद्धालुओं को मिली, उन्होंने तुरंत मानवता का परिचय देते हुए बेटी की शादी का जिम्मा उठाया और उसके हाथ पीले कर दिए। डेरा श्रद्धालुओं ने न केवल शादी की पूरी व्यवस्था में सहयोग किया, बल्कि परिवार को जरूरी घरेलू सामान जैसे बेड, कुर्सियां, गद्दे सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं भी भेंट कीं। इसके अलावा परिजनों को राशन देकर उनकी आर्थिक मदद भी की गई, ताकि वे बिना किसी चिंता के बेटी की शादी संपन्न कर सकें। इस नेक कार्य की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है और लोग डेरा श्रद्धालुओं के इस प्रयास को मानवता की मिसाल बता रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान नीलम, विमला, मंजू, सुनीता, कैलाश, ललित, कांता, रेनू सहित अन्य डेरा श्रद्धालु उपस्थित रहे। परिजनों ने इस सहयोग के लिए डेरा प्रमुख संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह इन्सां का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि डेरा प्रमुख द्वारा दी गई पवित्र शिक्षा के कारण ही यह संभव हो पाया है। ऐसे सेवा कार्य समाज में एक नई प्रेरणा देते हैं और जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां भरने का कार्य करते हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

स्वर्णकार समाज के युवाओं को राजनीति में लाना ही संघ का उद्देश्य : सुखविंद्र सोनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। स्वर्णकार संघ की बैठक में भाग लेते सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

जींद में आगामी 26 अप्रैल को होने वाले उत्कृष्ट स्वर्णकार कार्यक्रम को लेकर रविवार को स्वर्णकार संघ की बैठक हुई। इस दौरान संघ के पूर्व जिला प्रधान सुखविंद्र सोनी ने बताया कि यह कार्यक्रम अपने आप में एक दिशा तय करेगा कि कार्यक्रम में आने वाला प्रत्येक युवा अपने समाज के सेवक के रूप में अपनी भागीदारी निभाएगा। सोनी ने कहा कि समाज का युवा जाग चुका है और संघ का एक ही उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को राजनीति में आगे लाया जाए। उन्होंने कहा कि आज हमारे समाज को एक षड्यंत्र के तहत उसके हकों से वंचित किया जा रहा है। आज पिछड़ों में सबसे अव्वल राष्ट्रवादी कोम उनकी है। ऐसे में हमें अलग अलग संगठन बनाकर नहीं बल्कि अपनी एक विचारधारा से आरपार की लड़ाई लड़नी होगी। सोनी ने कहा कि आज हर जिले, तहसील और ब्लॉक स्तर पर संघ का पदाधिकारी संगठन को जोड़ने का कार्य कर रहा है। मौके पर राजकुमार भूण, महेंद्र कुमार, सतपाल सूर्या, राजेश कुमार, राधेश्याम सोनी, मदनलाल सोनी, ओमप्रकाश डाबर व किशोरीलाल आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर हड़पने और धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी किया गिरफ्तार

- ओरापियों ने ट्रैक्टर खरीदनें के बाद नहीं भरी कोई किस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक किसान का भरोसा जीतकर उसका ट्रैक्टर हड़पने और उसे खुर्द-बुर्द करने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया जॉन डियर ट्रैक्टर भी बरामद कर लिया है। थाना शहर फतेहाबाद की प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्रा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि इस संबंध में सिरसा जिले के गांव गीगो रानी निवासी सुभाष ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी हरजीत सिंह और उसके साथियों ने सुभाष को झांसे में लिया था कि वे उसके नए जॉन डियर ट्रैक्टर का उपयोग करेंगे और उसके बदले बैंक की सभी किस्तें समय पर भरेंगे। किसान ने उन पर भरोसा कर ट्रैक्टर सौंप दिया, लेकिन आरोपियों की मंशा कुछ और ही थी। आरोपियों ने न तो बैंक की एक भी किस्त भरी और न ही ट्रैक्टर वापस किया। इस धोखाधड़ी के कारण बैंक का पूरा कर्ज पीड़ित सुभाष को खुद ही चुकाना पड़ा। हद तो तब हो गई जब पीड़ित ने अपना ट्रैक्टर वापस मांगा। आरोपियों ने ट्रैक्टर वापस करने के बजाय उसे ठिकाने लगा दिया।

एक दिन के रिमांड पर आरोपी

पुलिस टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी की और मुख्य आरोपी हरजीत सिंह पुत्र बलकार सिंह, निवासी भाटिया कॉलोनी, फतेहाबाद को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वह ट्रैक्टर भी बरामद कर लिया है जिसे हड़पा गया था। पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपी से यह जानने का प्रयास करेगी कि इस धोखाधड़ी में उसके साथ और कौन-कौन लोग शामिल थे और क्या उन्होंने इस तरह की अन्य वारदातों को भी अंजाम दिया है।

पहल भाजपा जिला कार्यालय में कार्यक्रम; जनप्रतिनिधियों ने योजनाओं को बताया सहायक व जरूरी

42 गऊशालाओं को चारा अनुदान के चेक वितरित, संरक्षण पर जोर

- गोशाला संचालक पारदर्शिता से करें गोसेवा : भ्याना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गौशाला संचालकों को चारा अनुदान के चैक वितरित करते विधायक विनोद भ्याना। फोटो : हरिभूमि

भूना रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय में रविवार को गऊशालाओं के लिए चारा अनुदान राशि के चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हांसी के विधायक एवं फतेहाबाद हलके के प्रभारी विनोद भ्याना पहुंचे, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने की। इस अवसर पर फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र की 42 गऊशालाओं के प्रतिनिधियों को चारे के लिए अनुदान राशि के चेक वितरित किए गए। आयोजन का उद्देश्य गऊशालाओं को आर्थिक सहयोग देकर उनके संचालन को सुचारु बनाना और गौ संरक्षण को बढ़ावा देना बताया गया।

मुख्य अतिथि विनोद भ्याना ने कहा कि राज्य सरकार गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि चारा अनुदान जैसी योजनाएं गऊशालाओं के लिए सहायक साबित हो रही हैं और इससे उनके दैनिक संचालन में आने वाली कठिनाइयों को कम किया जा सकता है। उन्होंने गऊशाला संचालकों से अपील की कि वे पारदर्शिता के साथ सेवा कार्य करें और सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने यह भी कहा कि गौ संरक्षण केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संतुलन से भी संबंधित है। भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं गऊशालाओं को मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में सहयोग और सेवा की भावना को बढ़ाते हैं। जोड़ा ने गऊशाला संचालकों से योजनाओं की जानकारी लेकर उनका सही उपयोग करने का आग्रह किया और कहा कि सरकार भविष्य में भी इस तरह की सहायता जारी रखेगी।

गो संरक्षण सामाजिक जिम्मेदारी: दुड़ाराम

पूर्व विधायक दुड़ाराम ने गो संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि गऊशालाओं को समय-समय पर आर्थिक सहायता मिलना आवश्यक है, ताकि वे बेहतर तरीके से संचालित हो सकें। उन्होंने सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे पशुपालकों और ग्रामीण क्षेत्र को भी लाभ मिलता है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और गऊशाला संचालक मौजूद रहे। वक्ताओं ने गौ सेवा से जुड़े कार्यों पर जोर दिया।